

--- GFCF

GFCF में निम्नलिखित को मुख्य रूप से सम्मिलित किया जाता है।

- 1- आवासीय परिसर, अन्य भवन और संरचनाएँ (इन्फ्रा)
(Dwellings)
↓
राष्ट्रीय राजमार्ग,
खुदरोई, बंदरगाह आदि
- 2- मशीन और उपकरण
- 3- Cultivated Biological Resources - जैसे- पशुधन,
बागान आदि।
- 4- बौद्धिक सम्पदा उत्पाद → Software आदि।
- 5- रक्षा दायित्व प्रणाली → टैंक, पनडुब्बियां आदि।

Note:- वर्तमान में भारत में उपर्युक्त में से GFCF में से सर्वाधिक योगदान आवासीय परिसर (Dwellings) का है।

GFCF में दूसरा सर्वाधिक योगदान मशीनों व उपकरणों द्वारा किया जाता है।

ICOR (Incremental Capital-Output Ratio)
(वृद्धिमान पूंजी-निर्गत अनुपात)



यह अनुपात पूंजी की उत्पादकता को दिखाता है
इसका सूत्र निम्न प्रकार होता है -

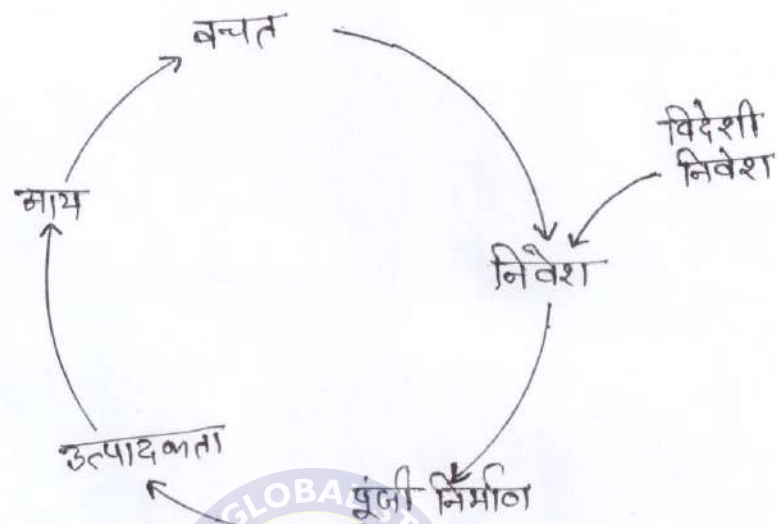
$$\frac{\Delta C}{\Delta Y} \quad \because \Delta C = \text{पूंजी में परिवर्तन} \\ \Delta Y = \text{GDP में परिवर्तन}$$

यदि किसी मामले में यह अनुपात 4:1 है तो इसका
अर्थ यह है कि पूंजी को 4 इकाई से बदलने पर GDP
1 इकाई से बदलता है।

उपर्युक्त के आधार पर यह भी कहा जा सकता
है कि पूंजी की 1 इकाई की उत्पादकता GDP की $\frac{1}{4}$
इकाई है।

स्पष्ट है कि यह अनुपात जितना अधिक होगा, पूंजी
की उत्पादकता उतनी ही कम होगी। कई बार यह
देखने को मिलता है कि किसी देश की वृद्धि अच्छी
होती है और तदनुसार पूंजी निर्माण का स्तर भी अच्छा
होता है लेकिन ग्राफ़ रेट उच्च नहीं हो पाती है। अन्य
बातों के अलावा, इसका स्तर बढ़ा जाकर ICOR का
उच्च स्तर होता है। (UPSC PT & Mains)

⇒ वार्षिक विकास में बचत और निवेश की भूमिका :-
इसे चित्र द्वारा बेहतर रूप में समझा जा सकता है।



⇒ वार्षिक विकास के गैर-वार्षिक कारक :-

सामाजिक
संगठन

राजनीतिक
संगठन आदि

⇒ सम्प्रेषणीय / धारणीय / सतत विकास

संसाधनों के इस्तेमाल में अन्तर्पीढ़ी समता

वर्तमान पीढ़ी = भविष्य की पीढ़ी

संसाधन उपयोग

↓ संदर्भ: हमारा साझा भविष्य (1987)
(Our Common Future)

↓,
ब्रन्टलैण्ड माधोग (1983) की
रिपोर्ट द्वारा।

